During 1992-93 Marketing season, Market Intervention Scheme for purchase of Kinu|Malta was operated in Punjab, UP, Haryana and Rajasthan and a total quantity of 3432 M|Ts has been purchased in these States. NAFED and the State designated agencies made procurement as per availability of stocks at the agreed Market Intervention price in all the four states.

(c) No such report has been received from far Eastern States.

(d) Does not arise.

(e) NAFED has made a modest beginning by exporting about 20 MT of Kinu to Sri Lanka during the last Marketing season. Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority has formulated an export enhancement programme for horticultural produce according to which Kinu can also be exported to South East Asian countries.

Spread of Thai SAC Brood Virus Disease among Indian Bees

2054. SHRIMATI KAMLA SINHA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government attention has been drawn to an article published in Indian Express of Pune on 21st April 1993 entitled "your bees are dying" by Jan Olsson;

(b) whether Government are aware of the spread of Thai Sac Brood virus disease, originating in China among Indian bees; and

(c) if so, what measures have been taken by Government to develop bees which are resistant to this viral disease ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) -. (a) Yes, Sir.

(b) Yes.

(c) As a part of good bee management, work on selective breeding with relatively resistant stocks of the Indian Honeybee, *Apis cerana indica* has been intensified. Also possibility of selective introduction of the European Honey Bee, *Apis mellifera* wh'ch is resistant to this viral disease is being explored.

देश में कुल कृषि योग्य भूमि

2055. **श्री वीरेन जे. शाह :**
श्रीमती सुषमा स्वराज : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या यह सच है कि भौगोलिक दृष्टि से देश में 329 मिलियन हेक्टेयर कृषि-योग्य भूमि उपलब्ध है और एक अध्ययन के अनुसार इस समय केवल 186 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर कृषि कार्य किया जा रहा है;

(ख) क्या यह भी सच है कि अभी तक केवल 142 से 143 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर कृषि हो रही है;

(ग) इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(घ) कृषि-योग्य शेष भूमि का ब्यौरा क्या है और आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि में ऐसी भूमि पर कृषि-कार्य कराने के लिए सरकार ने क्या लक्ष्य निर्धारित किए हैं तथा कृषि प्रयोजनों के लिए इस भूमि का उपयोग न करने के क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) देश का भौगोलिक क्षेत्रफल 328.73 मिलियन हैक्टेयर है । भूउपयोग सांख्यिकी 1989-90 (नवीनतम उपलब्ध) के अनुसार कुल कृष्य भूमि 184.47 मिलियन हेक्टेयर थी।

(ख) भू उपयोग सांख्यिकी 1989-90 (नवीनतम उपलब्ध) के अनुसार देश में बुवाई का निवल क्षेत्र 139.52 मिलियन हेक्टेयर था।

(ग) और (घ) भू उपयोग सांख्यिकी, 1989-90 (नवीनतम उपलब्ध) के ब्यौरे निम्नवत् हैं :—

(मिलियन हे. में)

1. वन	67.76
2. गैर कृषि उपयोग में रखा गया क्षेत्र	21.24
3. बंजर और अकृष्य भूमि	19.80
4. स्थायी चारागाह और अन्य चराई की भूमि	11.60
5. विविध मुख्य फसलों और उद्यानों के तहत की भूमि	3.57
6. कृषि बंजर भूमि	15.04
7. पुरानी परती भूमि	10.62
8. वर्तमान परती भूमि	15.72
9. बुवाई का निवल क्षेत्र	139.52
10. सकल फसली क्षेत्र	181.14
11. कुल कृषि क्षेत्र (क्रम संख्या 5 से 9तक का योग)	184.47

आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिए कृषि संदर्श के अनुसार 1996-97 के लिए बुवाई का प्रक्षेपित नवल क्षेत्र 141.0 मिलियन हैक्टेयर है जबकि सकल फसली क्षेत्र 190.6 मिलियन हैक्टेयर प्रक्षेपित है।

खरीफ फसलों के समर्थन मूल्यों में वृद्धि

2056. श्री ईश्वर दत्त यादव : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने उर्वरकों के मूल्यों में हुई वृद्धि को किसानों की क्षतिपूर्ति करने के उद्देश्य से खरीफ फसलों के समर्थन मूल्यों में वृद्धि की है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान उर्वरकों के मूल्यों में कितनी वृद्धि की गई तथा खरीफ और रबी फसलों के समर्थन मूल्यों में अलग-अलग कितनी-कितनी वृद्धि की गई है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) और (ख) आदान मूल्यों में परिवर्तन और उत्पादन की लागत पर पड़ने वाले उनके प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए 1992-93 मौसम की खरीफ की फसलों के लिये मूल्य नीति बनाई गई है। 1992-93 मौसम की खरीफ की फसलों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्यों में काफी वृद्धि की गई है। धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में प्रति क्विंटल 40 रुपये; कदन्न में 35 रुपये– दलहनों में 95 रुपये; छिलकायुक्त मूंगफली में 105 रुपये; सूरजमुखी के बीज में 130 रुपये; सोयाबीन में 80 रुपये और कच्चे कपास में 110 रुपये की वृद्धि की गई है।

(ग) (i) गत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित प्रमुख कृषि जिन्सों के न्यूनतम समर्थन मूल्य और (ii) सांख्यिकी मूल्य नियंत्रण के तहत प्रमुख उर्वरकों के खुदरा मूल्यों को दर्शाने वाले विवरण अनुपत्र में दिये गये हैं। [देखिए परिशिष्ट 167, अनुपत्र संख्या 26]

केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान के आंचलिक केन्द्र

2057 श्री वीरेन्द्र कटारिया : क्या कृषि मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान के कितने आंचलिक केन्द्र कार्यरत हैं :

(ख) प्रत्येक आंचलिक केन्द्र में वस्तुतः कितने वैज्ञानिक तैनात हैं तथा कार्य कर रहे हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि सिरसा (हरियाणा) स्थित उत्तरी आंचलिक केन्द्र में वैज्ञानिकों की कुल स्वीकृत संख्या 53 है जबकि पिछले 18 वर्षों से उस केन्द्र में केवल छः वैज्ञानिक तैनात किए गए हैं ;

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और वैज्ञानिकों के रिक्त पद को भरने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं ; और

(ङ) आंचलिक केन्द्रों के कार्यकरण को सुधारने हेतु सरकार ने क्या कदम उठाये हैं ?